महात्मा ज्योतिबा फुले

सामाजिक क्रांति के अग्रदूत और समतामूलक समाज के स्वप्नदृष्टा

भारतीय समाज के इतिहास में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जिनका जीवन अपने समय की रूढ़ियों, सामाजिक अन्याय और शोषण के विरुद्ध संघर्ष का प्रतीक बन जाता है।

महात्मा ज्योतिबा फुले ऐसे ही महान समाज सुधारक, विचारक, शिक्षाविद् और क्रांतिकारी चिंतक थे। उन्होंने उस दौर में सामाजिक समानता, स्त्री शिक्षा और शोषित-वंचित समुदायों के अधिकारों की आवाज बुलंद की, जब जातिगत ऊंच-नीच, अस्पृश्यता, अंधविश्वास और सामाजिक भेदभाव भारतीय समाज की गहरी जड़ें जमा चुके थे। 28 नवम्बर 1890 को उनका निधन हुआ था। उनकी पुण्यतिथि हमें उनके संघर्ष, विचारों और सामाजिक परिवर्तन के संकल्प को स्मरण करने का अवसर प्रदान करती है।

संघर्षों में निर्मित हुआ क्रांतिकारी व्यक्तित्व-

महात्मा ज्योतिबा फुले का जन्म 11 अप्रैल 1827 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के कटगुन गांव में हुआ था। उनका परिवार माली समुदाय से संबंधित था। उनका पूरा नाम ज्योतिराव गोविंदराव फुले था। सामाजिक परिस्थितियों और जातिगत भेदभाव के कारण उन्हें बचपन में शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद उन्होंने शिक्षा हासिल की और सामाजिक असमानता की जड़ों को समझने का प्रयास किया।

एक बार विवाह समारोह में जातिगत पहचान के कारण उन्हें अपमानित किया गया। इस घटना ने उनके मन को गहराई से प्रभावित किया। उन्होंने महसूस किया कि जाति आधारित भेदभाव केवल व्यक्तिगत अपमान नहीं, बल्कि एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था का परिणाम है, जो मनुष्य को जन्म के आधार पर ऊंचा और नीचा मानती है। इसी अनुभव ने उनके भीतर सामाजिक परिवर्तन की चेतना को और मजबूत किया।

महात्मा ज्योतिबा फुले ने समझ लिया था कि सामाजिक गुलामी से मुक्ति के लिए शिक्षा, आत्मसम्मान और संगठित संघर्ष अनिवार्य हैं। उनका मानना था कि जब तक शोषित समाज ज्ञान और अधिकारों से परिचित नहीं होगा, तब तक उसकी मुक्ति का रास्ता आसान नहीं होगा।

स्त्री शिक्षा के लिए ऐतिहासिक पहल-

ज्योतिबा फुले के व्यक्तित्व का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष स्त्री शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता थी। उस समय महिलाओं की शिक्षा को सामाजिक रूढ़ियों के कारण अनुचित माना जाता था। बाल विवाह, विधवाओं की दुर्दशा और स्त्रियों पर अनेक सामाजिक प्रतिबंध प्रचलित थे।

ऐसे कठिन समय में ज्योतिबा फुले ने अपनी पत्नी सावित्रीबाई फुले को शिक्षित किया और उन्हें समाज परिवर्तन के आंदोलन में सहभागी बनाया। 1848 में पुणे के भिड़ेवाड़ा में लड़कियों के लिए विद्यालय शुरू करने की ऐतिहासिक पहल की। सावित्रीबाई फुले इस विद्यालय की शिक्षिका बनीं। आगे चलकर फातिमा शेख ने भी इस शैक्षिक अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यह कदम केवल विद्यालय खोलने तक सीमित नहीं था, बल्कि सदियों पुरानी सामाजिक मान्यताओं को चुनौती देने वाली क्रांतिकारी पहल थी। सावित्रीबाई को विद्यालय जाते समय अपमान और विरोध का सामना करना पड़ता था, लेकिन उन्होंने अपना संकल्प नहीं छोड़ा।

सत्यशोधक समाज : सामाजिक परिवर्तन का संगठनात्मक आधार-

ज्योतिबा फुले ने सामाजिक अन्याय के विरुद्ध केवल लेखन और व्यक्तिगत प्रयासों को पर्याप्त नहीं माना। वे जानते थे कि संगठित सामाजिक चेतना के बिना व्यवस्था परिवर्तन संभव नहीं है। इसी उद्देश्य से उन्होंने 24 सितम्बर 1873 को सत्यशोधक समाज की स्थापना की।

सत्यशोधक समाज का उद्देश्य समाज को अंधविश्वास, पाखंड, जातिगत भेदभाव और सामाजिक शोषण से मुक्त करना था। इस संगठन ने शूद्रों, अतिशूद्रों और महिलाओं को सम्मान, शिक्षा तथा अधिकारों के प्रति जागरूक करने का अभियान चलाया।

फुले ने सामाजिक और धार्मिक वर्चस्व पर सवाल उठाए। उनका मानना था कि किसी भी मनुष्य की श्रेष्ठता उसके जन्म से नहीं, बल्कि उसके गुण, कर्म और मानवीय व्यवहार से निर्धारित होनी चाहिए।

सत्यशोधक समाज ने विवाह और अन्य सामाजिक संस्कारों को भी सरल तथा समानतापूर्ण बनाने की पहल की। इसका उद्देश्य धार्मिक कर्मकांडों और अनावश्यक आर्थिक बोझ से आम लोगों को मुक्त करना था। यह संगठन सामाजिक लोकतंत्र और आत्मसम्मान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

लेखन के माध्यम से अन्याय के विरुद्ध वैचारिक संघर्ष-

ज्योतिबा फुले केवल सामाजिक कार्यकर्ता नहीं, बल्कि प्रभावशाली लेखक और विचारक भी थे। उन्होंने अपने लेखन को सामाजिक परिवर्तन का हथियार बनाया।

उनकी प्रमुख कृतियों में गुलामगिरी (1873), शेतकऱ्याचा असूड (किसान का कोड़ा), तृतीय रत्न और सार्वजनिक सत्यधर्म उल्लेखनीय हैं।

गुलामगिरी में उन्होंने जातिगत शोषण और सामाजिक दासता की व्यवस्था पर तीखा प्रहार किया। इस पुस्तक को उन्होंने अमेरिका में दास प्रथा के विरुद्ध संघर्ष करने वालों को समर्पित किया था। इसके माध्यम से उन्होंने भारतीय समाज की जातिगत गुलामी और शोषण के प्रश्न को व्यापक मानवीय मुक्ति के संदर्भ में प्रस्तुत किया।

शेतकऱ्याचा असूड में ज्योतिबा फुले ने किसानों की दुर्दशा, आर्थिक शोषण और सामाजिक उपेक्षा को उजागर किया। वे समझते थे कि किसान केवल उत्पादन करने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि समाज और अर्थव्यवस्था की आधारशिला है। इसके बावजूद उसका जीवन गरीबी, कर्ज और शोषण से घिरा हुआ है।

महात्मा ज्योतिबा फुले का साहित्य किसी मनोरंजन या व्यक्तिगत प्रतिष्ठा के लिए नहीं, बल्कि समाज को जगाने और अन्यायपूर्ण व्यवस्थाओं को चुनौती देने के लिए था।

मानवीय संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी-

ज्योतिबा फुले का सामाजिक सरोकार केवल जातिगत भेदभाव के विरोध तक सीमित नहीं था। उन्होंने विधवाओं की पीड़ा, बाल विवाह, महिलाओं के शोषण और अनाथ बच्चों की समस्याओं को भी गंभीरता से उठाया।

महात्मा ज्योतिबा फुले ने गर्भवती विधवाओं और संकटग्रस्त महिलाओं की सहायता के लिए अपने घर में आश्रय की व्यवस्था की। बालहत्या जैसी अमानवीय सामाजिक परिस्थितियों को रोकने के लिए उन्होंने पहल की। उनके इन कार्यों में सावित्रीबाई फुले ने भी कंधे से कंधा मिलाकर साथ दिया।

महात्मा ज्योतिबा फुले का जीवन इस बात का प्रमाण है कि वास्तविक समाज सुधार केवल भाषणों से नहीं होता। उसके लिए सामाजिक जोखिम उठाने, व्यक्तिगत सुविधा का त्याग करने और पीड़ित मनुष्यों के साथ खड़े होने का साहस चाहिए।

आज के दौर में ज्योतिबा फुले की प्रासंगिकता

आज भारत शिक्षा, विज्ञान, तकनीक और आर्थिक विकास के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है। इसके बावजूद जातिगत भेदभाव, अस्पृश्यता, लैंगिक असमानता, शैक्षिक विषमता और आर्थिक शोषण जैसी चुनौतियां पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं।

आज भी समाज के अनेक वंचित परिवार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से दूर हैं। महिलाओं को समान अवसर और सुरक्षा के लिए संघर्ष करना पड़ता है। कहीं जाति के नाम पर सामाजिक बहिष्कार होता है, तो कहीं आर्थिक स्थिति के कारण प्रतिभाशाली बच्चों के सपने अधूरे रह जाते हैं।

ऐसे समय में महात्मा ज्योतिबा फुले के विचार हमें याद दिलाते हैं कि शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावशाली माध्यम है। सामाजिक समानता केवल संवैधानिक प्रावधानों से नहीं, बल्कि समाज की सोच और व्यवहार में परिवर्तन से स्थापित होगी।

महात्मा ज्योतिबा फुले के विचार डॉ. भीमराव अम्बेडकर के सामाजिक न्याय और समानता संबंधी संघर्ष की वैचारिक पृष्ठभूमि को समझने में भी महत्वपूर्ण हैं। दोनों महापुरुषों ने अलग-अलग समय में जातिगत असमानता और सामाजिक शोषण को चुनौती देते हुए शिक्षा, अधिकार और मानवीय गरिमा को मुक्ति का आधार बनाया।

आज आवश्यकता है कि ज्योतिबा फुले के विचारों को केवल जयंती और पुण्यतिथि के आयोजनों तक सीमित न रखा जाए। उनके शैक्षिक और सामाजिक आंदोलन को व्यवहार में उतारा जाए। गांवों और बस्तियों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचे, महिलाओं को समान अवसर मिलें और जाति तथा धर्म के आधार पर होने वाले भेदभाव के विरुद्ध समाज एकजुट हो।

विचारों की विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प-

महात्मा ज्योतिबा फुले का जीवन हमें सिखाता है कि सामाजिक परिवर्तन के लिए सत्ता, पद और प्रतिष्ठा से अधिक महत्वपूर्ण विचार, साहस और प्रतिबद्धता होते हैं। उन्होंने अपने समय की शक्तिशाली रूढ़ियों से टकराकर शिक्षा और समानता की जो मशाल जलाई, उसकी रोशनी आज भी समाज को दिशा दिखा रही है।

28 नवम्बर को उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम शिक्षा को प्रत्येक बच्चे तक पहुंचाने, महिलाओं को बराबरी का अधिकार देने, जातिगत भेदभाव समाप्त करने और शोषित-वंचित समाज को आत्मसम्मान के साथ आगे बढ़ने का अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध हों।

महात्मा फुले का सपना ऐसा समाज था, जहां मनुष्य की पहचान उसकी जाति से नहीं, बल्कि उसकी मानवीय गरिमा और कर्म से हो। जहां ज्ञान पर किसी का एकाधिकार न हो और जहां सामाजिक व्यवस्था का आधार समानता तथा न्याय हो।

ज्योतिबा फुले केवल इतिहास के महान समाज सुधारक नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के भारत के लिए भी एक जरूरी विचार हैं। उनके संघर्ष की विरासत हमें यह संदेश देती है कि जिस समाज में शिक्षा का उजाला, समानता का अधिकार और मानवीय सम्मान नहीं है, वह वास्तविक अर्थों में सभ्य और विकसित समाज नहीं हो सकता।

यही महात्मा ज्योतिबा फुले के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि और समतामूलक भारत के निर्माण का संकल्प होगा।

— नन्दलाल भारती
कवि, कथाकार एवं सामाजिक चिंतक

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने पेश की ऑल-न्यू इनोवा हाईक्रॉस -भारत की पहली फ्लेक्स हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल

नई दिल्ली, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज ऑल-न्यू इनोवा हाईक्रॉस, भारत की पहली फ्लेक्स हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल के लॉन्च की घोषणा की।

यह वाहन कस्टमर्स को सेल्फ-चार्जिंग हाइब्रिड टेक्नॉलजी की सुविधा और E20 से E85 तक सभी इथेनॉल फ्यूल ब्लेंड्स के उपयोग की फ्लेक्सिबिलिटी के साथ डबल पीस ऑफ माइंड प्रदान करती है। विश्वसनीयता और ब्रांड पर भरोसे की मजबूत विरासत रखने वाली प्रतिष्ठित इनोवा हाईक्रॉस की नींव पर आधारित यह नया मॉडल नए डिज़ाइन, प्रीमियम आराम और बेहतर सुविधा फीचर्स के साथ पेश किया गया है।

FFV-SHEV टेक्नॉलजी की शुरुआत के साथ, ऑल-न्यू इनोवा हाईक्रॉस - फ्लेक्स हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल टोयोटा के मल्टी-पाथवे दृष्टिकोण को और आगे बढ़ाती है, जो इलेक्ट्रिफिकेशन और फ्लेक्सिबल फ्यूल क्षमता को एक साथ लेकर आती है। स्थानीय स्तर पर निर्मित फ्लेक्स-फ्यूल इंजन और ई-ड्राइव से लैस यह टेक्नॉलजी भारत के लिए प्रासंगिक और टिकाऊ मोबिलिटी समाधानों के विकास पर टोयोटा के निरंतर फोकस को दर्शाती है, साथ ही देश के ऊर्जा सुरक्षा और डीकार्बोनाइजेशन लक्ष्यों में भी योगदान देती है।

टोयोटा की भारत और जापान स्थित इंजीनियरिंग टीमों ने संयुक्त रूप से इस वाहन का व्यापक राष्ट्रव्यापी परीक्षण किया। इस कठोर मूल्यांकन के दौरान शहरों, राजमार्गों, पहाड़ी क्षेत्रों और कठिन सड़क



परिस्थितियों सहित विभिन्न भारतीय ड्राइविंग स्थितियों के साथ-साथ अत्यधिक जलवायु परिस्थितियों में वाहन की गुणवत्ता और प्रदर्शन का आकलन किया गया। यह परीक्षण वाहन की समग्र दक्षता, मजबूती और विश्वसनीयता का मूल्यांकन करने के लिए किया गया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह टोयोटा के गुणवत्ता मानकों पर खरा उतरता है। ऑल-न्यू इनोवा हाईक्रॉस - फ्लेक्स हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल के साथ, हम इलेक्ट्रिफिकेशन और E20 से E85 तक सभी इथेनॉल फ्यूल ब्लेंड्स के उपयोग की फ्लेक्सिबिलिटी को एक साथ लाते हुए कस्टमर्स के लिए विकल्पों का विस्तार कर रहे हैं। हमारा मानना है कि इस प्रकार के व्यावहारिक समाधान कस्टमर्स और समाज, दोनों के हितों को पूरा करने में मदद कर सकते हैं, साथ ही भारत के ऊर्जा सुरक्षा और डीकार्बोनाइजेशन लक्ष्यों को भी समर्थन प्रदान कर सकते हैं नई पेशकश के बारे में बात करते हुए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर श्री तदाशी असागुमा ने कहा, ऑल-न्यू इनोवा हाईक्रॉस - फ्लेक्स हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल इनोवा के निरंतर विकास का प्रतीक है, जो अत्याधुनिक टेक्नॉलजी, प्रीमियम आराम और अधिक विकल्पों का संयोजन प्रस्तुत करते हुए हमारे कस्टमर्स की बढ़ती आकांक्षाओं को पूरा करती है। FFV-SHEV टेक्नॉलजी, नए डिज़ाइन और बेहतर आराम व सुविधा फीचर्स के साथ, यह अधिक आकर्षक मोबिलिटी अनुभव प्रदान करती है, जबकि उन खूबियों को भी बरकरार रखती है जिन्हें कस्टमर्स सबसे अधिक महत्व देते हैं। जैसे-जैसे मोबिलिटी प्राथमिकताएं अधिक टिकाऊ विकल्पों की ओर बढ़ रही हैं, हमारा मानना है कि ऑल-न्यू इनोवा हाईक्रॉस - फ्लेक्स हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल, सेल्फ-चार्जिंग स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक टेक्नॉलजी की सुविधा को E20 से E85 तक सभी इथेनॉल फ्यूल ब्लेंड्स के उपयोग की आजादी और फ्लेक्सिबिलिटी के साथ जोड़ती है, जिससे हमारे मूल्यवान कस्टमर्स को विकल्पों की स्वतंत्रता और डबल पीस ऑफ माइंड मिलता है।

संविधान गौरव दिवस पर भाजपा ने किया बाबा साहेब को नमन



संविधान हमारी राष्ट्रीय अस्मिता का आधार, बाबा साहेब का योगदान अविस्मरणीय

बालाघाट। भारतीय संविधान के गौरव, उसकी मूल भावना और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए 26 नवंबर को जिला भारतीय जनता पार्टी कार्यालय बालाघाट में संविधान गौरव दिवस राष्ट्रवादी भावनाओं और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। संविधान के शिल्पकार भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए संविधान के आदर्शों को आत्मसात करने और उनके अनुरूप राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया गया।

संविधान के गरिमा की शपथ

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय के तैलचित्रों तथा भारतीय संविधान की प्रति पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके पश्चात संविधान के महत्व, उसके अनुपालन और सम्मान पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। कार्यक्रम में संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन कर संविधान की गरिमा एवं सम्मान बनाए रखने की शपथ ली गई। राष्ट्रगान के साथ आयोजन का समापन हुआ।

संविधान के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री रामकिशोर, नानो कावरे, पूर्व कैबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रमेश भटेरे, डॉ. टीडी वैद्य, रमेश रंगलानी, सत्यनारायण अग्रवाल, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य लता एलकर, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य मौसम बिसेन, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. बीएम शरणागत, डॉ. निशांत करवाडे, फ्रेंचेस डॉ. सुनीता जैन, वरिष्ठ नेता अमीरचंद छिपेश्वर, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवीण मेश्राम एवं अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष सिद्धांत पाटिल सहित अन्य गणमान्यजन मंचासीन रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रवीण मेश्राम ने किया तथा आभार छिक्कन सिंह तारम ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए उसके आदर्शों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का संकल्प लिया। आयोजन ने संविधान के सम्मान, राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध और सामाजिक समरसता का संदेश प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

कैल्टेक्स ने पूरे किए 90 साल, नवाचार और बेहतर प्रदर्शन की विरासत का जश्न

कैल्टेक्स अपनी 90 साल की यात्रा का जश्न मना रहा है। यह सफर नवाचार, बेहतर प्रदर्शन और भरोसे की मजबूत विरासत के साथ आगे बढ़ा है। साल 1936 में शुरुआत के बाद से ब्रांड ने दुनिया के अलग-अलग बाजारों में वाहनों और औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने लुब्रिकेंट्स की रेंज का लगातार विस्तार किया है।

बीते कई दशकों में कैल्टेक्स ने विभिन्न देशों में अपनी मौजूदगी बढ़ाई है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में फैले अपने व्यापक सर्विस स्टेशन नेटवर्क के जरिए ब्रांड ग्राहकों तक पहुंच बना रहा है। इस पूरी यात्रा में नवाचार की अहम भूमिका रही है। इसके प्रमुख लुब्रिकेंट ब्रांड्स हैवोलिन0 और डेलो0 ऑटोमोबाइल, कमर्शियल वाहनों और औद्योगिक क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाले इंजनों को बेहतर सुरक्षा और प्रदर्शन देने के लिए जाने जाते हैं।

भारत में यह उपलब्धि ऐसे समय आई है, जब कैल्टेक्स लुब्रिकेंट्स ब्रांड 2023 में बाजार में दोबारा प्रवेश करने के बाद से अपनी मौजूदगी लगातार मजबूत कर रहा है। इस दौरान कंपनी ने भारतीय परिस्थितियों और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अपने लुब्रिकेंट उत्पादों की रेंज का विस्तार किया है। इसमें कम उत्सर्जन वाले इंजनों के लिए हैवोलिन0 इंजन ऑयल, बिजली उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले गैस इंजनों के लिए HDAX0 गैस इंजन ऑयल और मोटरसाइकिलों के लिए लुब्रिकेंट्स शामिल हैं।

कैल्टेक्स ब्रांड का स्वामित्व शेवरॉन के पास है और भारत में इसे शेवरॉन ब्रांड्स इंटरनेशनल एलएलसी तथा हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के बीच हुए ट्रेडमार्क लाइसेंसिंग समझौते के तहत उपलब्ध कराया जाता है। इस समझौते के तहत एचपीसीएल, शेवरॉन के तय मानकों के अनुसार अपनी सिलवासा स्थित यूनिट में कैल्टेक्स लुब्रिकेंट्स का निर्माण करती है। इससे भारतीय बाजार में ब्रांड की बढ़ती मौजूदगी को मजबूती मिल रही है। अपनी 90 साल की इस उपलब्धि के मौके पर कैल्टेक्स नवाचार और बेहतर प्रदर्शन की अपनी वैश्विक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही, एचपीसीएल के साथ साझेदारी और लुब्रिकेंट उत्पादों की बढ़ती रेंज के जरिए भारत में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करने पर ध्यान दे रहा है

मारुति सुजुकी का दो दिवसीय ग्रामीण मेगा इवेंट सफलतापूर्वक आयोजित

भीनमाल। स्थानीय कृष्णा ऑटो सेल्स प्रा. लि. की ओर से मारुति सुजुकी एरीना एवं नेक्सा का दो दिवसीय ग्रामीण मेगा इवेंट उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

मीडिया प्रभारी माणकमल भंडारी ने बताया कि इस विशेष आयोजन में शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ग्राहकों, गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं वाहन खरीदने के इच्छुक लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रेमराज बोहरा, सरपंच गोविंद खिलेरी भागल भीम, सरपंच घेवाराम निम्बोड़ा, महेन्द्र सरपंच दासपा, पार्षद महादेवाराम घांची, पार्षद मुस्ताकअली, पार्षद हकीमखान, पूर्व पार्षद जयंतीलाल घांची, नागरिक कल्याण मंच के अध्यक्ष माणकमल भंडारी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं



गणमान्य अतिथियों ने शिरकत की। इसके साथ ही स्थानीय पत्रकारों, व्यापारियों एवं क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों की भी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान मारुति सुजुकी के विभिन्न लोकप्रिय कार मॉडलों के बारे में ग्राहकों को विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही वाहनों की विशेषताओं, आधुनिक तकनीक, सुरक्षा सुविधाओं, फाइनेंस एवं ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप उपलब्ध विकल्पों से अवगत करवाया गया। इवेंट के दौरान ग्राहकों ने वाहनों में विशेष रुचि दिखाई तथा बड़ी संख्या में पूछताछ एवं बुकिंग प्राप्त हुई। दो दिवसीय आयोजन में कुल 85 ग्राहक पूछताछ हेतु आये, 7 वाहनों की बुकिंग की गई, 13 रिप्लेसमेंट बायर्स एवं 3 फिजिकल एक्सचेंज वाहन दर्ज किए गए। ग्रैंड विटारा, विक्टोरिस, स्विफ्ट, बलेनो एवं ऑल्टो जैसे लोकप्रिय मॉडलों में ग्राहकों ने विशेष रुचि दिखाई।

इस सफल आयोजन में क्लस्टर मैनेजर इमरान शेख के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में स्थानीय सेल्स टीम ने सराहनीय प्रदर्शन किया। विजनेस हेड वायस प्रेसिडेंट देवानन्द लोहिया, जनरल मैनेजर विजेंद्र शर्मा, शो रूम मैनेजर जालोर लोकेश सोलंकी, माजिद खान सहित कई लोगों ने टीम के बेहतर समन्वय, योजनाबद्ध कार्यशैली एवं मेहनत ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के ग्राहकों तक मारुति सुजुकी की आधुनिक वाहन श्रृंखला एवं बेहतर ग्राहक सेवाओं को पहुंचाना तथा ग्राहकों के साथ मजबूत एवं विश्वसनीय संबंध स्थापित करना रहा। आयोजकों ने कार्यक्रम में आये अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, ग्राहकों, व्यापारियों एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया। साथ ही कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी लोगों, मीडिया टीम एवं मारुति सुजुकी टीम के सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया। क्लस्टर मैनेजर इमरान शेख एवं कृष्णा ऑटो सेल्स प्रा. लि. की पूरी टीम ने भविष्य में भी इसी प्रकार ग्राहकों को बेहतर सेवाएं एवं उत्कृष्ट खरीदारी अनुभव प्रदान करने का संकल्प व्यक्त किया।

डॉ मृदुल कीर्ति जी (ऑस्ट्रेलिया) को वरिष्ठ प्रवासी भारतीय साहित्यिक सम्मान

अभ्युदय अंतरराष्ट्रीय संस्था के वार्षिकोत्सव में डॉ मृदुल कीर्ति जी (ऑस्ट्रेलिया) को अभ्युदय अंतरराष्ट्रीय वरिष्ठ प्रवासी भारतीय साहित्यिक सम्मान 2026 से नवाजा गया। 14 नवंबर को अभ्युदय मंच पर डॉ. इंदु झुनझुनवाला, डॉ. विवेक जावली, डॉ प्रेम तन्मय, गीता चौबे गूँज और प्रबुद्ध साहित्यकारों एवं पदाधिकारियों द्वारा दिया गया। आदरणीय मृदुल कीर्ति जी वेदों की भी ज्ञाता हैं और इन्हें अनेकानेक सम्मान मिल चुके हैं, जिसमें प्रमुख है देश के प्रधानमंत्री मोदी जी ने भी इन्हें सम्मान प्रदान किया है।